

भारत सरकार  
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय  
लोक सभा  
तारांकित प्रश्न सं.114\*  
28.06.2019 को उत्तर के लिए

**ओजोन के स्तरों में वृद्धि**

\*114. श्री दीपक बैज:

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी॰पी॰सी॰बी॰) ने गत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन॰सी॰आर॰) में ओजोन स्तर के इसकी विहित सीमा से बढ़ जाने के संबंध में कितनी बार आंकड़े जारी किए हैं;
- (ख) ओजोन स्तरों में वृद्धि के परिणामस्वरूप मानव स्वास्थ्य पर देखे गए दुष्प्रभावों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) सरकार द्वारा ओजोन स्तरों में वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या ओजोन स्तरों के विहित सीमाओं से परे जाने से मानव जीवन को खतरा हो सकता है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री  
(श्री प्रकाश जावडेकर)

- (क) से (ङ.) एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

\*\*\*\*\*

‘ओजोन के स्तरों में वृद्धि’ के संबंध में श्री दीपक बैज द्वारा दिनांक 28.06.2019 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 114\* के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ओजोन का निगरानी किया गया आंकड़ा, रियल टाइम आधार पर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की वेबसाईट पर नियमित रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है। दिल्ली के लिए एक्यूआई के विश्लेषण से यह पता चलता है कि गत तीन वर्षों (2016-2018) के दौरान, दिल्ली में 95 दिनों और फरीदाबाद, गुरुग्राम, गजियाबाद और नोएडा में क्रमशः 11, 48, 8 और 49 दिनों तक ओजोन के प्रमुख प्रदूषक तत्व के रूप में होने की सूचना दी गई थी। आंकड़ा अनुबंध-1 में दिया गया है।

(ख), (घ) और (ड.) ओजोन के स्तरों में वृद्धि को श्वसनीय रोगों और संबद्ध बीमारियों के लिए जिम्मेदार कारकों में से एक उत्प्रेरक कारक के रूप में समझा जाता है। श्वसनीय तंत्र में जलन उत्पन्न होने से खांसी और वक्ष में कष्टकारी उत्तेजना हो सकती है। इससे फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी आ सकती है और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। देश में ऐसा कोई निर्णायक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है जिससे केवल ओजोन स्तरों में वृद्धि के होने के कारण मृत्यु/बीमारी होने का प्रत्यक्ष सहसंबंध स्थापित होता है।

(ग) ओजोन एक गौण प्रदूषक तत्व है जो वायुमंडलीय प्रतिक्रियाओं और उत्तरदायी घटक उच्च तापमान और नाइट्रोजन के आक्साइडस का उत्सर्जन (NO<sub>x</sub>) और वाष्पशील जैविक यौगिक (वीओसी) के माध्यम से निर्मित होता है। NO<sub>x</sub> के प्रमुख स्रोतों में वाहन, विद्युत संयंत्र और ईंधन/कचरे को जलाया जाना शामिल है। वीओसी, वाहनों, पेट्रोल पम्पों, विलायकों के उपयोग और कचरे को जलाने से उत्सर्जित होता है। सरकार ने NO<sub>x</sub> और वीओसी उत्सर्जनों को नियंत्रित करने के लिए कई उपाय किए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं;

- 1 अप्रैल 2018 से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र में और 1 अप्रैल, 2020 से शेष भारत में बीएस-IV से सीधे बीएस-VI ईंधन मानकों को लागू करना जिससे बीएस-IV युक्त वाहनों की तुलना में हेवी ड्यूटी डीजल वाहनों से NO<sub>x</sub> उत्सर्जनों में 88.5 प्रतिशत तक कमी आएगी।
- पेट्रोल पम्पों में बेपर रिकवरी सिस्टम की संस्थापना।
- गैसीय ईंधन (सीएनजी, एलपीजी आदि), एथेनाल मिश्रण जैसे स्वच्छतर/वैकल्पिक ईंधनों की शुरुआत।
- सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और सड़कों में सुधार करना और सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए अधिक पुलों का निर्माण करना।
- दिल्ली से बाहर के यातायात को अपवर्तित करने के लिए ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे और वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे का प्रचालन जिसके परिणामस्वरूप सुगम यातायात प्रवाह होता है और उत्सर्जन में कमी आती है।
- नियंत्रणाधीन प्रदूषण संबंधी प्रमाणपत्र जारी करने को सुकर बनाना।
- बायोमास और कचरे के जलाने पर प्रतिबंध लगाना
- वर्तमान में 5100 टन प्रतिदिन (टीपीडी) की कुल क्षमता सहित दिल्ली में 3 वेस्ट-टू-एनर्जी (डब्ल्यू-टी-ई) संयंत्र प्रचालित है।
- ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, ई-अपशिष्ट, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट और खतरनाक अपशिष्टों को शामिल करते हुए 6 अपशिष्ट प्रबंधन नियमों से संबंधित अधिसूचनाएं 2016 में जारी की गई हैं।
- विद्युत संयंत्रों के लिए कड़े उत्सर्जन मानकों से संबंधित अधिसूचना।
- दिल्ली में बदरपुर तापविद्युत संयंत्र को बंद किया जाना है।



## केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

## परिवेशी वायु गुणवत्ता डाटा

## दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ओजोन की वायुगुणवत्ता सूचकांक स्थिति

ओजोन के प्रमुख प्रदूषक तत्व के रूप में सूचित किए गए दिनों की कुल संख्या

शहर	प्रमुख प्राचल	2016	2017	2018	2019 (31 मई तक)
दिल्ली	ओजोन	36	14	45	23
फरीदाबाद	ओजोन	3	0	8	55
गुरुग्राम	ओजोन	43	0	5	6
गाजियाबाद	ओजोन	--	0	8	3
नोएडा	ओजोन	--	33	16	0